भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2604

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग का एक पर्यावरण-पर्यटन केंद्र के रूप में विकास

2604. डॉ. आनन्द कुमार गोंड:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि बहराइच जिले में 551 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग बाघ, हाथी, तेंदुए, चीतल, गैंडे, हिरण आदि जैसे दुर्लभ वन्यजीवों और गेरुआ नदी में डॉल्फ़िन की उपस्थिति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है;

(ख) क्या सरकार की उक्त क्षेत्र को पर्यटन सुविधाओं के दृष्टिकोण से विकसित करने की योजना है;

(ग) पर्यटन को अधिक आकर्षक और सुलभ बनाने के लिए सड़क संपर्क, आवास, गाइड सुविधाएं, नौका विहार, सुरक्षा और प्रचार जैसी अवसंरचनाओं के विकास हेतु इस क्षेत्र में अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यावरण-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कोई व्यापक कार्य योजना/नीति बना रही है या ऐसी किसी कार्य योजना पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग सहित देश के सभी पर्यटन स्थलों और विभिन्न पर्यटन उत्पादों के महत्व को समझता है। देश में पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन, जिसमें विशिष्ट विकास कार्य योजनाओं का निर्माण भी शामिल है, मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)', जो स्वदेश दर्शन के अंतर्गत एक पहल है, 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' आदि के माध्यम से, देश में वन्यजीव पर्यटन सहित पर्यटन अवसंरचना और अन्य अनुभवों के विकास के लिए संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को उनसे योजना के दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुसार, परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर, निधि की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटन को सुगम बनाने में सहायक विभिन्न घटकों पर परियोजना की आवश्यकता के अनुसार मंजूरी के लिए विचार किया जाता है, जिनमें पर्यटन

से संबंधित मुख्य उत्पाद, पर्यटन गतिविधियां, सुरक्षा, स्वच्छता, कनेक्टिविटी, पार्किंग, सामान्य स्थल विकास, अन्य सुविधाएं आदि शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक अपनी पहल के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में 'आगरा जिले में बटेश्वर का विकास' नामक परियोजना के लिए 74.05 करोड़ रुपये और 'श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास' नामक परियोजना के लिए 80.24 करोड़ रुपये की मंजूरी दी।

इसके अलावा, मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय सतत पर्यटन रणनीति' जारी की है, जिसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन क्षेत्र में सततता को मुख्यधारा में लाना है और 'राष्ट्रीय पारिस्थितिकी-पर्यटन रणनीति' जारी की है, जिसका उद्देश्य भारत को पारिस्थितिकी-पर्यटन के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

मंत्रालय ने मिशन लाइफ के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिए 'ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल)' नामक एक कार्यक्रम की परिकल्पना भी की है, जिसका उद्देश्य सतत पर्यटन के प्रति जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों तथा पर्यटन से जुड़े व्यवसायियों को प्रकृति के अनुरूप सतत प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सततता को पर्यटन क्षेत्र में मुख्यधारा में लाना है, ताकि एक सतत, जिम्मेदार और लचीला पर्यटन क्षेत्र विकसित हो सके।

*****

अनुबंध

डॉ. आनन्द कुमार गोंड द्वारा कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग का एक पर्यावरण-पर्यटन केंद्र के रूप में विकास के संबंध में दिनांक 09.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2604 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

उत्तर प्रदेश राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

योजना	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
स्वदेश दर्शन	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	2016-17	87.89
	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	2016-17	69.45
	आहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	2016-17	71.91
	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	2016-17	67.51
	कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	2016-17	36.65
	अयोध्या का विकास	2017-18	127.21
	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	2018-19	12.03
	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	2018-19	18.30
स्वदेश दर्शन 2.0	वैदिक - वेलनेस एक्सपीरियंस, नैमिषारण्य	2023-24	17.80
	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियंस, प्रयागराज	2023-24	14.52
सीबीडीडी	महोबा में सांस्कृतिक परिदृश्य का विकास	2024-25	24.98
प्रशाद	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73
	मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास	2014-15	10.98

	गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02
	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	2014-15	9.36
	वाराणसी का विकास - चरण ।।	2017-18	44.60
	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59

*****